महत्वपूर्ण एवं खास

सड़क हादसे में युवक की मौत, अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मर्ग कायम

रायपुर (आरएनएस)। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक युवक की मेकाहारा अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ धारा 304 ए के तहत मर्ग कायम कर अपराध दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मेन रोड एनएच 43 छोटे उरला मोड़ के पास 10 दिसंबर को रात्रि छह बजे के आसपास ग्राम खर्रा थाना कुरुद धमतरी निवासी आनंद साहू 27 वर्ष पिता प्रहलाद साहू की रोड एक्सिडेंट में गंभीर रूप से घायल हो जाने की सूचना मिलने पर पुलिस ने युवक को इलाज के लिए मेकाहारा अस्पताल में भर्ती किया था सिर में गंभीर चोट लगने के चलते उसे ट्रामा सेंटर में रखा गया था। 11 दिसंबर को उपचार के दौरान युवक की मौत हो जाने पर पुलिस ने घटनास्थल की मुआयना करने के बाद व एक्सीडेंट स्थल पर आसपास के लोगों से पूछताछ करने के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ अपराध कायम कर मर्ग कायम कर लिया है।

तेज रफ्तार ऑटो की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार घायल, मामला दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। तेज रफ्तार ऑटो ने मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को टक्कर मार देने से घायल हो गया। घटना की रिपोर्ट उरला थाने में दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार पुरानी बस्ती निवासी रविंद्र कुमार साहू 49 वर्ष पिता मंगलू राम साहू को बुधवार की दोपहर करीब तीन बजे मोटरसाइकिल सवार युवक को उरला बुधवारी बाजार के सामने तेज रफ्तार ऑटो क्रमांक सीजी 04 एचएस 8934 के चालक ने टक्कर मारकर फरार हो गया जिसके चलते प्रार्थी के पैर व जांघ पर चोट लगने के चलते अस्पताल जाकर इलाज कराना पड़ा वहीं मोटरसाइकिल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

दुष्कर्म का फरार आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (आरएनएस)। शहर में रहने वाली एक महिला की एक साल पहले पुरानी बस्ती निवासी गीदम सिंह 25 से हुई थी। 25 अक्टूबर 2018 को गीदम सिंह महिला को मड़वारानी मंदिर घुमाने के बहाने अपने साथ ले गया था। जहां जंगल में उससे दुष्कर्म किया। फिर महिला को शहर लाकर छोड़ दिया था। महिला ने घटना की रिपोर्ट उरगा थाना में लिखाई थी। पुलिस दुष्कर्म का मामला दर्ज करके उसकी खोजबीन कर रही थी। वह फरार चल रहा था। मंगलवार को पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर फरार आरोपी गीदम सिंह को पुरानी बस्ती से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

तेज रफ्तार हाईवा मकान में घुसी, वृद्धा की हालत गंभीर

कवर्धा (आरएनएस)। कवर्धा जिले के पंडरिया थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम तेंदुआडीह में बीती रात 9 बजे ट्रेक्टर से टकरा कर हाइवा घर पर घुसा। ट्रेक्टर जा रही थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पंडरिया की ओर हाइवा पंडरिया से जा रही थी लोरमी की ओर , घर मे 10 सदस्य थे मौजूद जिसमे एक महिला बुजुर्ग महिला बेना बाई सोनवानी , उम्र 70 वर्ष ग्राम तेन्दुआडीह की स्थिति गंभीर बनी हुई है जिसमे 3 मवेशी भी चपेट में आ चुके थे जिसे ग्रामीणों द्वारा सुरक्षित निकाला गया।और घायलों को अस्पताल भेज पुलिस जाचं मे जुटी।

दोहरे हत्या काण्ड में एक नाबालिग सहित तीन आरोपी गिरफ्तार

» ब्रेकअप के बाद साथ रहने आरोपी बना रहा था दबाव

रायपुर (आरएनएस)। दोहरे हत्याकांड मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को रायगढ़ व सतना से गिरफ्तार कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार गोदावरी नगर टिकरापारा में मंगलवार को करीब 11.30 बजे किराये के मकान में रह रही दो सगी बहनों की हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद से ही पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए गोदावरी नगर सहित पूरे शहर के भीतर लगे सीसीटीवी कैमरा की फूटेज व शहर में आने जाने वाले संदिग्ध लोगों के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दी थी। इसी कड़ी में आज पुलिस ने सतना मैहर मध्यप्रदेश से सैफ व गुलाम मुस्तफा उर्फ काली को पेंड्रा से गिरफ्तार किया गया है वहीं घटना में शामिल एक अन्य आरोपी को पुलिस ने रायगढ़ जिले से गिरफ्तार किया है। उक्ताशय का खुलासा पुलिस अधीक्षक रायपुर शेख आरिफ हुसैन ने पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकारवार्ता में किया। एसपी ने बताया कि मृतका मंजू से आरोपी सैफ ने 21 मई 2019 में कोर्ट में एफीडेविट देकर विधिवत विवाह किया था।

राजधानी के टिकरापारा इलाके के गोदावरी नगर में 10 दिसम्बर की दोपहर की है। रायगढ़ की रहने वाली मंजू सिदार रायपुर में रहकर नर्सिंग की पढाई कर रही थी। मंजू के साथ उसकी छोटी बहन मनीषा भी रहती थी। दोनों टिकरापारा के गोदावरी नगर में किराये के मकान में रह रहे थे। मंजू की कुछ साल पहले ही रायगढ़ निवासी सैफ खान के साथ दोस्ती हुई थी और फिर दोनों एक दूसरे से प्यार कर बैठे। दोनों एक दूसरे को इतना पसंद करते थे कि दोनों ने कोर्ट मैरिज भी कर ली थी। सैफखान और मंजू दोनों एक साथ रायगढ़ में ही लिविंग में रहने लगे। जब इस बात की जानकारी मंजू के परिवार वालों को हुई तो उन्होंने इसके लिये उसे बहुत डांट-फटकार लगायी और सैफ से बातचीत करने के लिये मना भी किया। इसके बाद युवती के घर वालों ने मनीषा को नर्सिंग के लिये उसकी छोटी बहन के साथ रायपुर भेज दिया गया। मंजू रायपुर में रहकर नर्सिंग करने लगी थी और सैफ से बातचीत बंद कर दी थी। इस बात से आरोपी काफी नाराज और परेशान रहने लगा। बेवफाई का बदला लेने के हत्या की खौफनाक प्लानिंग तैयार की। सैफ पूरी प्लानिंग के तहत 10 दिसबंर को अपने दो दोस्तों के साथ रायगढ़ से रायपुर पहुंचा। रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचने के बाद तीनों ऑटो से मृतिका के किराये के मकान टिकरापारा पहुंचे। आरोपी ने बडे ही शातिर तरीके से अपने एक दोस्त को लोगों पर नजर रखने के लिये नीचे रखा और एक अन्य दोस्त के साथ मृतिका के कमरे में जा घुसा। जब आरोपी युवती के कमरे में पहुंचे उस दौरान मंजू और उसकी छोटी बहन खाना खा रही थी। आरोपी ने विवाद करते हुये घर में रखे तावे से मंजू के सर पर जोरदार वार किया। वार इतना भयानक था कि मृतिका मौके पर ही मौत हो गयी। घटना को देख जब छोटी बहन मनीषा ने चीख-पुकार की तो सैफ और उसके दोस्त ने मृतिका की बहन को भी तावे से मार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गये। एसएसपी आरिफ शेख ने घटना की सूचना मिलने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुये क्राईम एडिशनल एसपी, सीएसपी अभिषेक माहेश्वरी, पुरानी बस्ती सीएसपी कृष्णा पटेल को जांच का जिम्मा दिया। सीएसपी अभिषेक महेश्वरी और क्राईम एडिशनल एसपी पंकज चंद्रा के नेतृत्व में इस पूरे मामले की मॉनिटरिंग की गयी। पुलिस ने घटना स्थल पर लगे सभी सीसीटीवी को खंगालना शुरू किया, उस दौरान पुलिस को सीसीटीवी में दो संदेही दिखायी दिये। इसी के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस को पता चला कि आरोपी रायगढ़ के निवासी है, इसके बाद स्पेशल टीम बनाकर आरोपी की धर पकड़ के लिये टीम रायगढ़ रवाना हुई। पुलिस को आरोपियों को पकडने के लिये काफी मशक्कत करनी पढ़ी। आरोपियों के बार बार जगह बदलने से पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पकडे जाने के दर से आरोपी सैफ मप्र भाग निकला था। पुलिस ने सैफ को सतना मप्र, गुलाम मुस्तफा को काली पेंड्रा और नाबालिग आरोपी को रायगढ़ से पकड़ा गया है।

आरक्षक के 2259 पदों की भर्ती पर लगी रोक हटी

» हाईकोर्ट ने रोक हटाते हुए नियमों में संशोधन को सही ठहराया

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के जिला पुलिस बल में आरक्षकों के 2259 पदों की भर्ती मामले में लगाई गई सभी याचिकाओं को उच्च न्यायालय बिलासपुर ने आज खारिज करते हुए भर्ती पर लगाई गई रोक को हटा दिया है। कोर्ट ने प्रकरण में शासन के द्वारा दोबारा भर्ती हेतु नियमों में किए गए संशोधन को सही ठहराया है।

विदित हो कि प्रदेश में पूर्व भाजपा शासनकाल में पुलिस विभाग में आरक्षकों के 2259 पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा होने के बाद एक साल तक तक इसका रिजल्ट घोषित नहीं किया गया। इस दौरान 2018 में विधानसभा चुनाव होने के बाद प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आ गई। कांग्रेस सरकार ने इस भर्ती के लिए हुई परीक्षा में नियमों का पालन नहीं किये जाने का हवाला देते हुए इसे निरस्त कर दिया और इन पदों पर फिर से भर्ती के लिए संशोधन नियमों के साथ नई अधिसूचना जारी कर दी। इसके विरोध में पूर्व में परीक्षा देने वाले कई लोगों ने हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की थीं। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए पूर्व में हाईकोर्ट ने नई भर्ती के विज्ञापन प्रक्रिया पर रोक लगा दी थी। लेकिन इस मामले में पुनः सुनवाई न्यायाधीश गौतम भादुड़ी की कोर्ट में हुई। कोर्ट ने शासन के नियमों में संशोधन को सही ठहराते हुए ना केवल भर्ती के लिए लगाई गई रोक को वापस ले लिया बल्कि इस मामले में सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट के नये आदेश के बाद अब शासन अपने संशोधन नियमों के जरिए आरक्षकों की भर्ती कर सकती है।

गौरतलब हो कि जिला पुलिस बल में आरक्षक बनने के लिए 9 लाख युवाओं ने आवेदन किया था जिसमें 55 हजार से ज्यादा युवाओं ने शारीरिक परीक्षा पास कर ली थी। साल 2018 के सितंबर माह में उनकी लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी लेकिन उसका परिणाम जारी नहीं किया गया था. जिसे लेकर अभ्यर्थियों द्वारा सड़क की लड़ाई लड़ी थी। लेकिन हाईकोर्ट के आदेश के बाद अभ्यर्थियों को तगड़ा झटका लगा है। अभ्यर्थियों को आरक्षक बनने के लिए अब दोबारा मेहनत करनी होगी।

भारत बचाओ आंदोलन में शामिल होने छत्तीसगढ़ से सैकड़ों कांग्रेसी दिल्ली के लिए हुए रवाना

रायपुर (आरएनएस)। दिल्ली में 14 दिसंबर को कांग्रेस का भारत बचाओ आंदोलन में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ से सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता आज विशेष ट्रेन से रवाना हुए।

प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री एवं संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी ने जानकारी दी कि दिल्ली में कांग्रेस आर्थिक मुद्दों पर देशव्यापी आर्थिक मंदी, बढ़ती बेरोजगारी, बेतहाशा बढ़ती महंगाई और किसानों के साथ किए जा रहे अन्याय के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा आंदोलन 14 दिसंबर को दिल्ली में करने जा रही है। एआईसीसी के राष्ट्रीय स्तर के भारत बचाओ अभियान के कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के कांग्रेस कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। इस आंदोलन में शामिल होने के लिए आज सैकड़ों कार्यकर्ता दिल्ली जाने के लिए विशेष ट्रेन से रवाना हुए है। स्पेशल ट्रेन आज सुबह 10 बजे दुर्ग से रवाना होकर रायपुर, तिल्दा, भाठापारा, उसलापुर, करगी, पेण्ड्रा, अनुपपुर, शहडोल, कटनी होकर 13 दिसंबर सफदरजंग स्टेशन पहुंचेगी।

1 स्थाई वारंटी नक्सली गिरफ्तार

सुकमा (आरएनएस)। जिले में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिला बल, डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में एक स्थायी वारंटी नक्सली को बुधवार की शाम को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सली का नाम पोड़ियाम जोगा केरलापाल थाना क्षेत्र सिरसेट्टी का रहने वाला है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मुखबिर की सूचना पर नक्सलियों की धरपकड़ कार्रवाई के लिए केरलापाल से जिला बल, डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम थानाक्षेत्र के दुरमापारा और चिकपाल की ओर रवाना हुए थे। इस दौरान दुरमापारा गांव के पास जंगल में सिरसेट्टी निवासी पोड़ियामी जोगा को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार नक्सली पर 2015 में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में गुफड़ी गांव और ढोक्का पारा में मतदान केंद्र से एक मतदान पेटी और अन्य सामग्री की लूटपाट करने का आरोपी है, आरोपी के विरूद्ध गादीरास थाना में मामला पंजीबद्ध है।

हुंडई कार शोरूम में लगी आग, 5 कारें जलकर हुई खाक

जगदलपुर (आरएनएस)। शहर के बोधघाट थाना क्षेत्र में स्थित हुंडई कार शोरूम के बाहर रखी गई 05 वाहनों पर गुरुवार की सुबह अचानक आग लग गई। आगजनी की घटना के बाद वहां खड़ी 05 कारें जलकर पूरी तरह खाक हो गई है।

हुंडई शोरूम के बाहरी हिस्से में रखी गई कारों में एक कार पर सुबह करीबन 9 बजे अचानक आग लग गई। आग को देखते हुए वहां मौजूद शोरूम के गार्ड ने घटना की जानकारी पुलिस, दमकल और हुंडई शोरूम के संचालक को दिया। कार में लगी आग देखते ही देखते नजदीक खड़ी 4 वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसी दौरान एनडीआरफ की टीम ने मौके पर पहुँचकर समय रहते आग पर काबू पा लिया है। यदि आग बुझाने में कुछ और देरी हुई होती तो वहां खड़े और भी वाहन आग की चपेट में आ जाती और हुंडई शोरूम का बड़ा नुकसान हो सकता था।

मंत्री अमरजीत भगत ने असम के मुख्यमंत्री को दिया राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य समारोह में शामिल होने का न्यौता

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल को प्रदेश में होने वाले राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य समारोह में शामिल होने का न्यौता दिया है।

प्रदेश में सरकार द्वारा 27 दिसंबर से तीन दिवसीय राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा देश के सभी मुख्यमंत्रियों को न्यौता दिया जा रहा है। प्रदेश के संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत द्वारा असम के मुख्यमंत्री सर्बानंद सोनोवाल को न्यौता देने के लिए असम की राजधानी गुवाहाटी गए है। श्री भगत ने श्री सोनोवाल से मुलाकात कर उन्हें राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य समारोह में शामिल होने के लिए न्यौता दिया, जिसे उनके द्वारा स्वीकार किया गया है।

ज्ञात हो कि गुवाहाटी में नागरिकता संशोधन बिल के विरोध में भारी प्रदर्शन किया जा रहा है। इस प्रदर्शन के चलते श्री भगत गुवाहाटी के होटल में ही एक दिन फंसे रहे। हालांकि पुलिस की मदद के बाद वे आज होटल से निकलने में कामयाब रहे। होटल से निकलने के बाद श्री भगत ने असम के प्रसिद्ध कामख्या देवी के दर्शन किए।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता फैला करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक नीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूल्यों पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address :: Behind Stadium Near Career School, Raigarh, C.G. Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

रायपुर : कृषि को व्यवसाय के रूप में अपनाने युवाओं को प्रेरित किया जाए: उइके

» राज्यपाल भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ के 44वें वार्षिक कुलपति सम्मेलन में शामिल हुई

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके आज स्नातक कृषि शिक्षा में पुनर्विचार विषय पर आयोजित भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ के 44वें वार्षिक कुलपति सम्मेलन में शामिल हुई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि दिनों दिन बढ़ रही आबादी की तुलना में रोजगार के अवसर उतने नहीं बढ़ रहे हैं, ऐसे में कृषि ही एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें बड़ी संख्या में रोजगार का निर्माण किया जा सकता है। इसके लिए आवश्यक है कि कृषि को व्यवसाय के रूप में अपनाने युवाओं को प्रेरित किया जाए, जिससे कृषि को उद्योग के रूप में परिवर्तित किया जावे।

राज्यपाल ने कहा कि हमारे परम्परागत और पुराने बीजों का संरक्षण किया जाना चाहिए। जैविक खेती का प्रचलन बढ़ रहा है, इसे अधिक से अधिक अपनाना चाहिए। हमारे आदिवासी क्षेत्रों में कोदो-कुटकी की खेती होती रही है, अब उन्हें बहुराष्ट्रीय कंपनिया अच्छे दामों में खरीद रही हैं, यह कभी गरीबों का भोजन हुआ करता था, आज बड़े-बड़े होटलों में इनकी मांग बढ़ रही है। मेरा सुझाव है कि आदिवासी क्षेत्रों में बोए जाने वाले इस तरह के फसलों को प्रोत्साहित करें। इससे हमारा आदिवासी समाज कृषि के क्षेत्र में प्रगति कर पाएगा।

सुश्री उइके ने पुराने समय के याद साझा करते हुए कहा कि मेरी भी कृषि में रूचि है और मैंने अपने गृह जिले में एक छोटा सा फार्म हाऊस विकसित किया है, जिसमें मैं खेती करती थी और बड़ी मात्रा में शिमला मिर्च और अन्य सब्जियों का उत्पादन करती थी। आज इतनी अच्छी तकनीक आ गई है कि विद्यार्थी इन्हें अपनाकर कृषि कार्य करें तो कृषि को मुनाफे का व्यवसाय के रूप में अपना सकते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि अब समाज, देश एवं कृषि की आवश्यकताएं पूरी तरह से बदल गई है। जो आवश्यकताएं कुछ दशकों पहले थी एवं जिसके अनुरूप वर्तमान स्नातक कृषि शिक्षा प्रणाली तैयार की गई है, वह अब शायद समकालीन नहीं रह गई है। हम अपने स्नातक स्तर की शिक्षा पद्धति को आज की परिस्थितियों के अनुसार इसमें प्रभावी बदलाव करें, जिससे समाज और देश की आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके।